

**स्विच** पुं. (अं.) बिजली का बटन जिससे विद्युत प्रवाह को जोड़ा या अलग किया जा सकता है।

**स्विदित** वि. (तत्.) 1. जिसे स्वेद या पसीना निकला हो 2. जिसका स्वेद या पसीना निकाला गया हो 3. पिघला या पिघलाया हुआ।

**स्विन्न** वि. (तत्.) 1. पसीने से भरा हुआ 2. उबला या पका हुआ।

**स्वीकरण** पुं. (तत्.) 1. स्वीकार या अंगीकार करना, अपनाना 2. कबूल करना या मानना 3. स्त्री को पत्नी के रूप में ग्रहण करना।

**स्वीकरणीय** वि. (तत्.) स्वीकृत किए या माने जाने के योग्य।

**स्वीकरना** स.क्रि. (तत्.) 1. स्वीकार करना या मानना 2. ग्रहण करना या लेना 3. अपनाना।

**स्वीकर्तव्य** वि. (तत्.) दे. स्वीकरणीय।

**स्वीकर्त्ता** वि. (तत्.) स्वीकार करने वाला या मंजूर करने वाला।

**स्वीकार** पुं. (तत्.) 1. अपना बनाने या अपनाने की क्रिया या भाव, अंगीकार करना 2. ग्रहण करना या लेना 3. कोई बात मान लेना या मंजूर करना प्रयो. मुझे तुम्हारी सभी बातें स्वीकार हैं 4. किसी बात की प्रतिज्ञा करना या वचन देना।

**स्वीकारात्मक** वि. (तत्.) जिससे कोई बात स्वीकृत की गई या मानी गई हो अथवा उसकी पुष्टि की गई हो।

**स्वीकारोक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. वह कथन जिसमें अपना अपराध स्वीकृत किया जाए 2. दोष, अपराध या पाप आदि अपने मुँह से कहकर मानना या स्वीकार करना। confession

**स्वीकार्य** वि. (तत्.) जो स्वीकृत किया या माना जा सके, माने जाने के योग्य।

**स्वीकार्यता** स्त्री. (तत्.) स्वीकार्य होने की अवस्था या भाव, ग्राह्यता।

**स्वीकृच्छ** पुं. (तत्.) प्राचीनकाल का एक प्रकार का व्रत जिसमें तीन-तीन दिन तक क्रमशः गोमूत्र, गोबर तथा जौ की लपसी खाकर रहते थे।

**स्वीकृत** वि. (तत्.) 1. जिसे स्वीकार कर लिया गया हो 2. जिसकी स्वीकृति दी गई हो 3. जिसे आधिकारिक रूप से मान्यता मिली हो।

**स्वीकृति** स्त्री. (तत्.) 1. स्वीकार करने की क्रिया या भाव, सम्मति 2. प्रस्ताव, शर्तें आदि मान लेने या उपहार देने आदि ग्रहण करने की क्रिया वि. 3. बड़ों या अधिकारियों द्वारा छोटी की प्रार्थना आदि मान लेने की क्रिया।

**स्वीय** वि. (तत्.) स्वकीय, अपना पुं. स्वजन, संबंधी, रिश्तेदार।

**स्वीया** स्त्री. (तत्.) स्वकीया या अपनी, जैसे स्वकीया पत्नी, स्वकीया पुत्री आदि।

**स्वे** वि. (तद्.) दे. स्व।

**स्वेच्छया** अव्य. (तत्.) अपनी इच्छा से बिना किसी दबाव के जैसे- स्वेच्छया किया हुआ काम।

**स्वेच्छा** स्त्री. (तत्.) अपनी इच्छा, अपनी मर्जी जैसे- श्याम सदैव स्वेच्छा से ही काम करता है।

**स्वेच्छाचार** पुं. (तत्.) अच्छे-बुरे का विचार किए बिना मनमाना आचरण करना, जो मन में आया वही काम करना।

**स्वेच्छाचारिता** स्त्री. (तत्.) स्वेच्छाचार का भाव या धर्म।

**स्वेच्छाचारी** वि. (तत्.) मनमाना काम करने वाला, निरंकुश।

**स्वेच्छापूर्वक** क्रि.वि. (तत्.) स्वेच्छा से, मनमर्जी से।

**स्वेच्छामृत्यु** वि. (तत्.) 1. अपनी इच्छा से आप मरने वाला 2. जिसने मृत्यु को इस प्रकार अपने वश में कर रखा हो कि जब चाहे तब मरे जैसे- भीष्म पितामह को स्वेच्छा मृत्यु का वरदान।

**स्वेच्छा सेवक** पुं. (तत्.) दे. स्वयं सेवक।

**स्वेच्छित** वि. (तत्.) जो किसी की अपनी इच्छा के अनुकूल या अनुरूप हो, मनचाहा।

**स्वेटर** पुं. (अर.) बनियान के समान दिखने वाला एक प्रकार का ऊनी पहनावा जो कमीज के ऊपर तथा कोट, जैकेट आदि के नीचे पहना जाता है, यह पूरी बाजू का अथवा आधी बाजू का दोनों प्रकार का होता है।